मोहयाल मित्र

खोखली होती रिश्तों की बुनियाद

■ **बक्शी रवि दत्त** *(संपादक साई पादुका एवं राष्ट्र का मोह)*

आज के इस भौतिकवादी युग में इन्सान सभी रिश्तों को ताक पर रखकर पैसें को महत्व दे रहा है। वह यह भूल जाता है कि जिस चंद रूपयों की खातिर वह अपनों से धोखेबाजी कर रहा है, वह उसके लिए आगे चलकर कितनी खतरनाक साबित होगी। आज का समाज जिस स्थान पर खड़ा है, वहाँ पैसा ही सब कुछ रह गया है। प्यार मोहब्बत, भाईचारा समानता मात्र अच्छे शब्द **बनकर** रह गए हैं। आज के समाज की समाज की सबसे बड़ी कमजोरी अहंकार है। व्यक्ति कुछ तरक्की करने से अपने सगे व बड़े भाई तक का रिश्ता भूल जाता है। वह उन्हें दुनिया की नजरों में नीचा दिखाने की भरपूर कोशिशें करता है। आज के सभ्य समाज में ऐसे कितने ही उदाहरण मिल जायेगें। लोगों की इस भावना के कारण ही आज समाज टूट रहा है। लेकिन ये भी आज की विडम्बना ही है कि लोगों को ऐसे व्यक्ति की याटुकारी करने में कोई परहेज नहीं होता। इसके विपरीत यदि कोई गरीब व्यक्ति उनसे मदद की गुहार लगाता है तो उसे टरका दिया जाता है। जिससे अमीर गरीब में मतभेद उत्पन्न हो जाते है। आज भगवान भी उस व्यक्तियों को अधिक पसन्द करता है, जो दूसरों की खाल निचोड़ने में लगा रहता है। उससे एक बार भी सबक नहीं सिखाया जाता। परन्तु गरीब मार बार–बार होती रहती है, लेकिन ध्यान रहे गरीब व्यक्ति धन–माल से नहीं होता। उस गरीब व्यक्ति को भी चाहिए कि वह हिम्मत न हारे और अपने चरित्र के स्तर को बनाए रखें, यदि व्यक्ति ऐसा करने में सफल हो जाता है तो एक दिन सारा संसार उसका गुलाम बनकर रह जाता है। इस सम्बन्ध में एक प्रसिद्ध विद्वान ने कहा है यदि "आपका सब कुछ नष्ट हो जाए प्रेम भी विश्वासघात कर जाए। मित्र का साथ छूट जाए, आपका धन नष्ट हो जाए तो आपको हिम्मत से काम लेने की जरूरत होती है। ऐसी स्थिति में आपके पास जो कुछ जो बचा उस संसाधन से पूरी लगन के साथ लगे रहो। आज नहीं तो कल जरूर आपका होगा और संसार की प्रसिद्ध हस्ती बन जाओगे। लेकिन हे मानव! ध्यान रखना कभी किसी के सम्मान को ठेस न पहुँचने देना, नहीं तो एक सच्चे इंसान की हाय सबको सबका मटियामेंट कर देती है। रिश्तों की कदर करना सीखो तो संसार तुम्हारा है।

मत सता किसी गरीब को
वो रो देगा उसका मालिक सुनेगा
सब खो देगा।।

पटेल नगर, सहारनपुर, मो. 9897645347

अन्जान

अन्जान शब्द ही हम समझ जाते हैं यह जिंदगी में आया वह हिस्सा है, जिसे हम जानते नहीं हैं। पर कोई अन्जान जब हमारी जिंदगी एक रोशनी की उम्मीद **बनकर** आए और हमें कोई ऐसी सीख दे जाए तो वह इंसानियत कहलाती है। उस अन्जान के लिए आप भी अन्जान हो, लेकिन उसका बढ़ाया एक कदम हमें जिंदगी के उस दरवाजे तक ले जाता है, जहाँ से एक नयी शुरूआत होती है और उसकी जगह हमारी नज़रों में एक ऊँचा स्थान बना लेती है, कहते हैं भगवान हर पल आपके साथ साक्षात रूप में नहीं रह सकते, इसलिए हमारे लिए माता–पिता बनाए पर कभी–कभी भगवान भी अपनी लीला दिखा ही देते हैं और हम इंसानों के बीच अन्जान **बनकर** जो आ जाते हैं और हमें मुश्किलों से निकलने का रास्ता दिखाते हैं। शायद इसे पढ़कर आपको उन लोगों की याद जा जाए जो कभी आपको राह चलते या आपके परिचित के द्वारा सामने आए हो जब कभी आप अंधेरी गुफा में हो अचानक कोई ऐसी बात कह जाते हैं तो लगता जैसे उस गुफा में पत्थरों को चीरकर एक रोशनी की उम्मीद आ गयी।

महाभारत में जब पाण्डवों को वनवास हुआ तो उन्हीं वनवास के दिनों में हनुमान जी ने भीम का बहुबली होने के घमंड को तोड़ने के लिए एक अन्जान रूप लेकर उनके सामने आ खड़े हुए और सही राह दिखा गए। मैं जानती हूँ कभी–कभी कोई अन्जान आपको सही रास्ता दिखाने के विपरीत गलत राह भी दिखा जाता है। पर इससे क्या अच्छाई अपना रास्ता मोढ़ लेती है नहीं, लेकिन हमें उस समय यही सोचना चाहिए कि गलत रास्ता भी हमें आगे बढ़ने के लिए कोई सीख दे रहा है। रात होती है अगली सुबह होने के लिए क्योंकि सुबह होते ही न जाने कितने फूल खिल जाते हैं अपनी खुशबू फैलाते हैं और दूसरों की जिंदगी को महका जाते हैं। पक्षियों को उड़ता हुआ चहकता हुआ झुंड यह बताता है कि नहीं फिर एक नया करवा बनेगा और एक नयी शुरूआत होगी। पता नहीं कौन हमारी जीवन में बंद ताले की चाबी बन जाए जो हमसे कही खो गई है। बस आप सबसे यही गुजारिश करती हूँ कि आप इस नेक काम में अन्जान **बनकर** किसी की जिंदगी को अंधेरे से निकलने की कोशिश को कभी रूकने मत दीजिएगा, क्या पता कोई अन्जान आपकी सीख से दूसरों की जिन्दगी खुशियों से भर दें। और यह दुनिया और भी खुबसूरत बन जाए।–***प्रिया बाली,*** 9873992990

PDF compression, OCR, web-optimization with CVISION's PdfCompressor

गौरव ने 12वीं में 93.6 अंक पाये

गौरव मेहता (छिब्बर) ने सी.बी.एस.ई. 12वीं की परीक्षा में 93.6 प्रतिशत अंक पाकर अपना तथा परिवार का नाम रोशन किया।

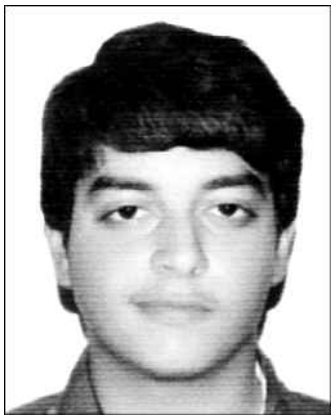

गौरव मेहता सेक्टर हार्ट पब्लिक स्कूल का छात्र रहा है। श्री सुरेन्द्र मेहता (छिब्बर) व श्रीमती मधू मेहता (छिब्बर) का सुपुत्र है तथा स्व. श्री रामप्रकाश मेहता (छिब्बर) व श्रीमती शीला देवी जी का पौत्र है। गौरव ने जे.ई.ई मेन परीक्षा में भी अच्छा रैंक पाया है व वह इंजीनियरिंग ब्रांच में प्रवेश ले रहा है, परिवार ग्रीन पार्क, यमुनानगर में रह रहा है। खुशी के इस मौके पर गौरव के ताया–तायी श्री नरेन्द्र छिब्बर व श्रीमती अंजू छिब्बर ने 500 रु. की राशि 'श्री राम प्रकाश मेहता (छिब्बर) ट्रस्ट' में दी।–*नरेन्द्र छिब्बर, पानीपत, 09416412184*

मास्टर तेजस भीमवाल का मुण्डन

दिनांक 15.06.2015 को अबोहर में मास्टर तेजस भीमवाल के दादाजी मेहता विनोद कुमार भीमवाल एडवोकेट व दादी श्रीमती गुलशन भीमवाल की कोठी पर सायं काल पाँच बजे बड़ी धूमधाम से किया गया। मुण्डन के बाद मास्टर तेजस भीमवाल के यज्ञोपवीत की रस्म मास्टर तेजस भीमवाल के पड़दादा जी कर्नल एस.के. भीमवाल व पड़दादी जी श्रीमती ललिता भीमवाल जी ने पूरी की।

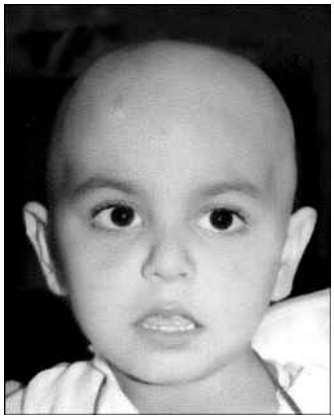

इस खुशी के मौके पर मोहयाल बिरादरी, रिश्तेदार, मित्रगण उपस्थित थे तथा इस खुशी के मौके पर सभी उपस्थित सदस्यों ने भीमवाल परिवार को बहुत–बहुत बधाईयां दीं। भीमवाल परिवार की तीन बेटियों ने व पुत्र वधु ने अच्छे अंको से वकालत पास करके भीमवाल परिवार का नाम रोशन किया। सभी सदस्यों ने पुत्र वधु एडवोकेट श्रीमती प्रिया भीमवाल धर्मपत्नी एडवोकेट मेहता हिमांशू भीमवाल। एडवोकेट कुमारी स्मृती भीमवाल एवं कुमारी श्रुती भीमवाल, खुशी मेहता, रविकान्त भीमवाल डेवलपमेंट आफिसर भारतीय जीवन बीमा निगम एवं श्रीमती रेणू भीमवाल। तथा कुमारी एडवोकेट कुमारी काजल भीमवाल सुपुत्री मेहता विनोद कुमार भीमवाल एडवोकेट व श्रीमती गुलशन भीमवाल को बहुत–बहुत बधाईयां दीं तथा पुत्र वधु एवं पुत्रियों के उज्ज्वल भविष्य की कामनाएं दी।

मास्टर तेजस भीमवाल के मुण्डन के अवसर पर अबोहर में ही 500–600 की संख्या में रिश्तेदारों व मित्रगणों ने मास्टर तेजस भीमवाल को आशीर्वाद दिया। मास्टर तेजस भीमवाल स्व. मेहता जगदीश चन्द्र भीमवाल एवं मेहता श्रीमती कमला भीमवाल के पड़पौत्र है। मेहता विनोद कुमार भीमवाल व श्रीमती गुलशन भीमवाल के पौत्र हैं। मेहता हिमांशु राय भीमवाल एवं श्रीमती प्रिया भीमवाल के सुपुत्र हैं। नानाजी श्री सुदेश मेहता व नानी जी श्रीमती विनोद बाला जी (लव) के दोहते हैं जो कि यमुनानगर के निवासी हैं।

इस अवसर पर पड़दादी जी श्रीमती कमला भीमवाल जी ने जीएमएस को 500 रुपए ऐजूकेशन फंड में भेंट किए।

–मेहता विश्वामित्र भीमवाल *(छोटे पड़दादाजी)*
मो. 9780160085

कंचन को अच्छे अंक आने पर बधाई

कंचन मेहता (छिब्बर) ने सी.बी.एस.ई 12वीं की परीक्षा में 95.4 प्रतिशत अंक लेकर अपना तथा परिवार का नाम रोशन किया है।

कंचन मेहता डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल यमुनानगर की छात्रा रही है, उसने 11वीं में भी अपने स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। कंचन श्री देवेन्द्र मेहता (छिब्बर) व श्रीमती अलका मेहता (छिब्बर) की सुपुत्री है तथा स्वर्गीय श्री रामप्रकाश मेहता (छिब्बर) व श्रीमती शीला मेहता जी की पोती है। कंचन का आगे सी.ए. बनने का इरादा है। परिवार कालन्दी कालोनी, यमुनानगर में रह रहा है। खुशी के इस मौके पर कंचन के ताया–तायी श्री नरेन्द्र छिब्बर व श्रीमती अंजू छिब्बर ने 500 रुपए की राशि 'श्री रामप्रकाश मेहता (छिब्बर) ट्रस्ट' में भेंट की।–*नरेन्द्र छिब्बर, पानीपत, 09416412184*

पत्र

आदरणीय भाई साहबजी,
सादर नमस्ते,

आप द्वारा भेजा बर्थ–डे–कार्ड व शुभ आशीर्वाद प्राप्त हुआ। जिससे मुझे हार्दिक प्रसन्नता मिली। मैं अपने जन्मदिन 01.07.1950 के उपलक्ष्य में 500 रुपए जनरल मोहयाल सभा के जलपान फंड हेतु भेज रही हूँ। धन्यवाद!

आपकी बहिन ***श्रीमती सुजीत कौर दत्ता*** *पुत्री स्व. सरदार भगवान सिंह दत्ता और पत्नी श्री प्रमोद राज कटयाल, जवाहर नगर, मुरादाबाद, उ.प्र.*
(मो.) 08126955908

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मोहयाल सभाओं की गतिविधियाँ

सहारनपुर

मोहयाल सभा सहारनपुर की मासिक बैठक 7 जुलाई 2015 को प्रधान श्री अनिल बख्शी "भोली" की अध्यक्षता में बी 6/46, पटेल नगर स्थित पत्रकार बख्शी रवि दत्त के निवास पर सम्पन्न हुई, जिसमें 18 भाई–बहिनों ने भाग लिया। रवि बख्शी ने विगत माह की रिपोर्ट पढ़ी तत्पश्चात गुरुदीप दत्ता ने कहा जो भी भाई मोहयाल सभा के लिए कुछ करने का ज़ज्बा रखता है तो सभा उसकी स्वागत करती है। हमें उत्साहित युवकों को आगे लाना होगा, जिससे सभा मजबूत हो सके।

धर्मेन्द्र मेहता ने कहा जो कौम अपना इतिहास या अपने बुजर्गों द्वारा किए गए कार्यों को भूल जाती है वो अधिक समय तक जीवित नहीं रह पाती। हमें मोहयाल समाज की महान विभूतियों की शहादत को मनाना चाहिए।

योगेश बाली ने विचार रखते हुए कहा हमें मोहयाल प्रतिभाओं का सम्मान करना चाहिए, जिन्होंने अपने कार्यों से समाज को गौरवान्वित किया।

मुकेश दत्ता ने कहा नगर के कोने–कोने में बसे मोहयाल परिवारों को संगठित करना होगा, उनके सुख–दुःख में शामिल होना चाहिए, अपनी बिरादरी में वाद–विवाद को हल करने का प्रयास करना ही लक्ष्य हो तभी सद्भावना बनी रहेगी।

रवि बख्शी ने सुझाव दिया सभी मोहयाल बंधु जो सभा में आते हैं उनके जन्मदिवस व शादी की साल गिरह पर शुभकामना संदेश भेजना चाहिए, उसके लिए मुकेश दत्ता को ग्रिटिंग चेयरमैन बनाया गया, सभी ने खुशी व्यक्त की।

प्रधान अनिल भोली ने कहा बिरादरी भी बेटी बचाओ के लिए आगे आऐं बेटी का अधिकार हम मत छीने वह भी आंगन की शोभा है, आज हम देखते हैं वह माँ–बाप के सुख–दुःख की साथी बन चुकी है। हमें अपनी कौम के अलावा समाज को जगाना है। श्री भोली ने सुझाव रखा, सभा की बैठक अन्तिम रविवार को होनी चाहिए सभी ने सहमति प्रगट की, इनके अलावा ललित मेहता, पवन दत्ता, राजेश बाली, मनोज बाली ने भी विचार रखे।

गायत्री मंत्र व जय मोहयाल के जय कारों के साथ बैठक को समाप्त किया। आगामी बैठक पवन दत्ता के निवास वी–22 हकीकत नगर पर होगी। सभा के सभी सदस्यों ने श्रीमती उमा दत्ता व बख्शी रवि दत्त के परिवार को सफल आयोजन के लिए बधाई व धन्यवाद किया।

***अनिल बख्शी 'भोली'**, प्रधान (मो.) 9319318690*

फरीदाबाद

मोहयाल सभा की मासिक बैठक 2 अगस्त 2015 को श्री रमेश दत्ता जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें लगभग 40 भाई–बहिनों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना के बाद रायज़ादा के.एस. बाली जी ने पिछले माह की रिपोर्ट पढ़ कर सुनाई। उन्होंने बताया कि हमारी सभा क्रिकेट टीम बनाने की कोशिश कर रही है। फरीदाबाद क्षेत्र से जो मोहयाल बच्चे अच्छी क्रिकेट खेलते हैं, अपना नाम क्रिकेट टीम के लिए भेज सकते हैं। प्रतिभाशाली बच्चे जिनके अंक 60 प्रतिशत से अधिक कक्षा दसवीं एवं बारहवीं में आए हैं वे अपनी मार्कशीटें जल्दी से जल्दी भेजें ताकि हम जल्द से जल्द प्रतिभाशाली बच्चों को प्रोत्साहित कर सकें।

श्री रमेश दत्ता जी ने सभी को अवगत करवाया कि हमारी कमेटी सेंकड मंजिल बनाने का विचार कर रही है, जिस पर लगभग आठ लाख रुपए की राशि लगने का अनुमान है। सभी के सहयोग से यह काम हो सकता है। हमें एक लाख रुपए ऊपर के किरायेदार ने बिना ब्याज के देने को कहा है। जो भाई–बहन इस कार्य के लिए सहयोग करना चाहे वह दिल खोल कर सहयोग करें। जो भाई–बहन Refundable राशि देना चाहते हैं वे भी दे सकते हैं, जिसे हम फ्लोर पूरा होने के बाद जल्द से जल्द वापिस कर देंगे। जनक बाली जी ने एक लाख रुपए देने की घोषणा की। श्री रमेश दत्ता जी ने आश्वासन दिया कि फ्लोर बनने के बाद उनकी राशि वापिस कर दी जायेगी और सभी ने इस प्रोजेक्ट को पूरा करने का आश्वासन दिया।

श्री मिथलेश दत्ता ने निम्न राशि सभा के लिए एकत्रित की। श्री विक्रम दत्ता जी ने अपने पिता स्व. देव दत्त बक्शी जी की याद में 1100 रु., सुभाष मेहता एवं आर.सी. दत्ता जी ने 500–500 रुपए विधवा फंड में दिए और सतीश दत्ता जी ने 100 रु. सहयोग राशि के रूप में दिए।

श्री रमेश दत्ता जी ने सभी को बताया कि श्री के.एस. बाली जी की पोती अर्पिता बाली ने दसवीं कक्षा में 87 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। इसी खुशी में आज के नाश्ते का प्रोग्राम उनकी तरफ से है। सभी ने बच्ची की दीर्घ आयु एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। श्री राजेन्द्र मेहता जी ने योग के आसनों की जानकारी दी।

प्रधान श्री रमेश दत्ता जी ने सभी उपस्थित जनों को इतनी गर्मी में मीटिंग में पहुँचने के लिए धन्यवाद किया। सभी ने रायज़ादा के.एस. बाली जी को स्वादिष्ट नाश्ते के लिए धन्यवाद किया। अगले माह की मीटिंग 6 सितंबर को मोहयाल

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

भवन में होगी। अतः सभी मोहयाल बहिन–भाइयों से अनुरोध है कि समय पर आने का कष्ट करें।

रमेश दत्ता, *प्रधान* ***रायज़ादा के.एस. बाली,*** *महासचिव*
मो.: 9212557096 *मो. 9899068573*

कुरूक्षेत्र

मोहयाल सभा कुरूक्षेत्र की मासिक मीटिंग प्रधान संतोष वैद के निवास स्थान 2 अगस्त 2015 को हुई। सभा की अध्यक्षता श्री संतोष वैद ने की।

मोहयाल प्रार्थना के साथ सभा का आरम्भ हुआ। पिछले मास की मीटिंग की कारवाई पढ़कर सुनाई गई, तथा सभी ने सर्वसम्मति से पास की। प्रधान जी ने बिरादरी में एकता व भाई चारे पर जोर दिया तथा युवाओं की मासिक मीटिंगों में अधिक भागीदारी पर जोर दिया।

सभा में श्री एस.एस बाली जी जो पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे हैं, सभी उनका कुशलक्षेम पूछने अस्पताल गए। तथा प्रभु से उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। जलपान व गायत्री मंत्र के साथ सभा का समापन हुआ।

संतोष वैद, *प्रधान (मो.) 9813790076*

बराड़ा

मोहयाल सभा बराड़ा की मासिक बैठक दिनांक 09.08.2015 को सभा के प्रधान सरदार हरदीप सिंह वैद जी के निवास स्थान में मोहयाली प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण के साथ आरम्भ हुई, जिसमें लगभग 10 भाई–बहनों ने भाग लिया। सभा के सहसचिव श्री बलदेव सिंह दत्ता जी ने पिछले माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई, जिससे सभी ने अपनी सहमति प्रकट की।

शोक समाचारः सुभाष चन्द्र छिब्बर सुपुत्र स्वर्गीय नम्बरदार सीताराम छिब्बर, डेहरा सलीमपुर निवासी जी का निधन 18 जून 2015 को अहमदाबाद में हुआ। सभी सदस्यों ने दो मिनट मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रभु से प्रार्थना की।

अन्त में सभी सदस्यों ने जलपान के लिए स. हरदीप सिंह वैद व परिवार का धन्यवाद किया।

रविन्द्र कुमार छिब्बर, *सचिव*
(मो.) 09466213488

नजफगढ़, नई दिल्ली

मोहयाल सभा की बैठक दिनांक 02.08.2015 को प्रधान शेर जंग बाली की अध्यक्षता में श्री गोपाल मोहन छिब्बर जी के निवास स्थान बी–65ए, पटेल गार्डन, नजदीक द्वारका मोड़ में प्रार्थना एवं गायत्री मंत्र के उच्चारण से आरम्भ हुई, जिसमें 15 सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने जुलाई 2015 मास की कार्यवाही का अनुमोदन किया तथा लेखे–जोखे का अनुमोदन किया और निम्नलिखित कार्यवाही आरम्भ की।

प्रधान जी ने भी सदस्यों को सूचित किया कि वर्ष 2015 की परीक्षा में दसवीं एवं 12वीं कक्षा में जो विद्यार्थी 80 प्रतिशत या इससे अधिक अंक लेकर उत्तीर्ण हुए हैं, उन विद्यार्थियों को जीएमएस सम्मानित करेगी। अतः इन विद्यार्थियों के प्रार्थना पत्र 31.08.2015 तक जीएमएस में पहुँ जाने चाहिए। (प्रार्थना पत्र जून–जुलाई मास के मोहयाल मित्र में पेज–38 में प्रकाशित है)।

जी.एम.एस ने पुनः सूचित किया है कि जिन जरूरतमंद विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता की आवश्यकता हो। उन विद्यार्थियों के प्रार्थना पत्र अपनी सभा द्वारा जीएमएस में 15 अगस्त 2015 तक पहुँच जाने चाहिए।

प्रधान जी ने सभी सदस्यों को जीएमएस मैनेजिंग कमेटी के चुनाव के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी। (जी.एम.एस 2015 सूची जुलाई मास के मोहयाल मित्र में पेज 2 में प्रकाशित है)

चर्चा के लिए खास मुद्दा न होने के कारण बैठक की समाप्ति की घोषणा की गई। अंत में सभी ने बढ़िया जलपान के लिए श्री गोपाल मोहन छिब्बर का धन्यवाद किया।

अगली बैठक दिनांक 04.10.2015 को श्री गिरधर गोपाल दत्ता के निवास स्थान बी–55, किरन गार्डन, गली नं 15, नजदीक मटियाला पुलिस चौकी, नई दिल्ली में प्रातः 10:30 बजे होगी। नजदीक नवादा मेट्रो स्टेशन, मेट्रो पिल्लर नं. 724 है। सभी सदस्यों से उपस्थित होने का निवेदन है।

शेरजंग बाली, *प्रधान (मो.) 9871756765*

यमुनानगर

मोहयाल सभा यमुना नगर में मास अगस्त की बैठक दिनांक 02.08.2015 को मोहयाल भवन यमुनानगर फेस–1 सरोजनी कालोनी में मेहता विपिन मोहन जी की अध्यक्षता में मोहयाली प्रार्थना एवं गायत्री मंत्र के साथ हर्षोल्लास से सम्पन्न हुई, जिसमें 20 सदस्यों ने भाग लिया एवं सभी ने अपने–अपने विचार रखते हुए निम्न विषयों पर चर्चा कीः–

1. सर्वप्रथम सभा ने मेहता कृष्णलाल जी दत्ता आई.टी.आई निवासी निधन 20.07.2015 एवं क्रिया (उठाला) 30.07.2015 तथा श्रीमती रोमेश बक्शी धर्मपत्नी बक्शी डिप्टी लाल भिमवाल गाँव नाहरपुर निवासी निधन 20.07.2015 उठाला 29.07.2015 को हुआ। इन दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर प्रभु से प्रार्थना की गई।

2. मेहता विनोद छिब्बर जी महासचिव सभा ने पिछले मास की कारवाई पढ़कर सुनाई जिसका सब सदस्यों ने अनुमोदन किया।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

3. मेहता विपिन मोहन जी प्रधान सभा ने उपस्थित सदस्यों को शुभ सूचना द्वारा अवगत करवाया कि 28.07.2015 को भवन के साथ लगते प्लाट का जो अभी कुछ ही वर्ष पहले खरीदा था और जिस पर केस चल रहा था, वह केस हम जीत गए हैं और फैसला हमारे हक में हो गया है। इस शुभ समाचार को सुन कर सब उपस्थित सदस्यों ने एक दूसरे को बधाईयाँ दीं तथा लड्डुओं से एक दूसरे का मुहँ मीठा करवाया।

4. दिनांक 02.08.2015 प्रातः 10 बजे मोहयाल भवन यमुना नगर में मोहयाल युवक मेहता अमित दत्ता ने 15 मोहयाल युवक इकट्ठे करके मोहयाल यूथ विंग यमुनानगर की स्थापना की, जिसकी सूचना प्रधान सभा मेहता विपिन मोहन जी ने सदस्यों को दी तथा मेहता अमित दत्ता को इस बैठक में सदस्यों सहित बधाई देते हुए भरोसा दिलाया कि इस यूथ विंग की सफलता के लिए हर प्रकार की सहायता इस सभा द्वारा दी जाएगी तथा किसी प्रकार का प्रोग्राम करने पर भी इस सभा तथा जीएमएस द्वारा सहायता दी जाएगी। मेहता अमित दत्ता ने इस बैठक द्वारा 18 वर्ष से 35 वर्ष के बीच आयु के युवकों से आग्रह किया है कि वह इस विंग के सदस्य बनने के लिए मुझे मेरे मोबाइल 9729538240 द्वारा संपर्क कर सकते हैं।

5. प्रधान विपिन मोहन जी ने सदस्यों को सूचित किया कि प्लाट के केस की सफलता के पीछे एडवोकेट मेहता चन्द्र जी का पूरा सहयोग था तथा निःशुल्क सेवा थी, जिसके लिए सभा तथा पूरी मोहयाल बिरादरी उनका धन्यवाद करती है।

6. मेहता संजय दत्ता सुपुत्र स्वर्गीय मेहता यशपाल दत्ता ब्रांच मैनेजर एल.आई.सी यमुना नगर एवम् मेहता अमित दत्ता का सभा में पहली बार आने पर सदस्यों द्वारा स्वागत किया गया।

अंत में शांति पाठ के उपरांत बैठक समाप्त हुई।

मेहता विनोद छिब्बर *महासचिव*

बक्शी नन्दलाल भिमवाल *सचिव*

अंबाला कैंट

दिनांक 02.08.2015 सायं 5 बजे, श्री एस.के. मेहता जी के निवास स्थान पर डिप्टी कमांडेंट (रिट.) जी की अध्यक्षता में मासिक मोहयाल मीटिंग हुई, जिसमें 17 मोहयाल सदस्यों व विद्यार्थियों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण बाद, सदन ने पूर्व राष्ट्रपति डा. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की अकस्मात मृत्यु पर दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी। इसके अतिरिक्त उसी दिन 27.07.2015 को दीना नगर (पंजाब) पुलिस स्टेशन पर आतंकियों के हमले में शहीद पुलिस अफसर व जवानों को भी याद किया गया। महासचिव ने पिछले माह की कार्यवाही पढ़ कर सुनाई, जिसे सर्वसम्मति से पास किया गया।

श्री आई.आर छिब्बर, सू. कुलदीप मेहता तथा सू. मेजर आर. के.सी दत्ता जो कुछ समय से बीचार चल रहे हैं, शीघ्र ठीक होने की कामना की गई। हालांकि इनकी सेहत में काफी सुधार हो रहा है।

प्रतिभाशाली विद्यार्थी 2014 जिनको 11 जनवरी 2015 को जीएमएस में सम्मान मिला, उन्हें लोकल सभा अध्यक्ष द्वारा भी पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। विशेष बात यह थी कि यह सम्मान पाने वाले तीनों विद्यार्थी लड़कियां थी और तीनों का नाम रिया है।

कुमारी रिया दत्ता 12वीं, कु. रिया दत्ता 10वीं और कु. रिया वैद 10वीं प्रधान जी ने विद्यार्थियों को बधाई दी तथा उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उनके परिवार को भी बधाई दी गई।

जी.एम.एस में चुनाव प्रक्रिया के संबंध में चर्चा हुई। सब सदस्यों ने मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली तथा उनकी टीम की, उनके सही समय पर सही निर्णय लेने तथा मोहयाल कौम की सहायता व उन्नति के लिए सराहना की। एक सदस्य ने सुझाव दिया कि वोट देने का हक सारे मोहयालों को होना चाहिए। दूसरा चुनाव की इस लंबी प्रक्रिया व खर्चे को सीमित किया जा सकता है, जैसा कि सब लोकल सभाएं एक–एक या दो सदस्य मनोनीत करके जीएमएस को भेजें।

जी.एम.एस में यही मनोनीत सदस्य प्रधान, उपप्रधान तथा सचिवों के चुनाव का निर्णय लें। एचएफओ एम.एल. दत्ता जी ने अवगत कराया कि जीएमएस के संविधान में अब तक ऐसा प्रावधान नहीं है। केवल जीएमएस के आजीवन/वार्षिक सदस्य ही चुनाव तथा वोटिंग में भाग ले सकते हैं।

सदस्यों ने रायज़ादा बी.डी. बाली जी के 11 अगस्त पर जन्मदिन की शुभकामनाऐं दी तथा बधाई दी।

दान राशिः कमां. पी.आर मेहता 300 रुपए लोकल सभा, तथा 200 रु. जीएमएस को, श्री एस.के. मेहता 300 रु. लोकल सभा व 200 रु. जीएमएस को, एचएफओ एम.एल दत्ता 200 रु. लोकल सभा तथा 251 रुपए जीएमएस को, श्री धरमेंदर वैद 500 रुपए लोकल सभा तथा 201 रु. जीएमएस को, श्री आई. आर. छिब्बर ने 500 रु. लोकल सभा नरेश वैद ने 100 रुपए लोकल सभा को तथा श्री दीपक दत्ता जी ने 100 रु. लोकल सभा को प्रदान किए। सदस्यों ने सब का धन्यवाद किया।

प्रधान जी ने मेहता परिवार का बढ़िया चाय–नाश्ते के लिए शुक्रिया अदा करते हुए जय मोहयाल के नारों की गूंज में सभा मीटिंग संपन्न की।

एच.एफ.ओ एम.एल. दत्ता, *महासचिव*
मो. 9896102843

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com
PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

आगरा

मोहयाल सभा आगरा की मासिक बैठक 02.08.2015 को संरक्षक श्री कामरान दत्ता जी की पूज्यनीय माता श्रीमती सावित्री दत्ता पत्नी स्व. श्री मेजर एम.बी. दत्ता (सेवानिवृत्त) के निवास स्थान 1 डिफेंस एस्टेट आगरा पर कार्यवाहक अध्यक्ष श्री अनिल मेहता (बब्बी भाई) की अध्यक्षता में मोहयाल प्रार्थना, जो श्रीमती मधु दत्ता पत्नी श्री कामरान जी दत्ता द्वारा की गई, के उपरान्त बहुत ही आनन्द व हर्षोउल्लास के साथ सम्पन्न हुई। जिसमें वर्षा होने के कारण 25 भाई–बहिनों व बच्चों ने भाग लिया तथा निम्न ऐजेंडे पर सभी ने अपने विचार रखें।

सर्वप्रथम पिछले माह की बैठक व लेखा–जोखा पर सचिव महोदय ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। उपस्थित सभी भाई–बहनों ने श्रीमती कल्पना बाली पत्नी सेवानिवृत्त कर्नल वी.के. बाली के हाल ही में हुए आपरेशन व श्री अमित दत्ता पुत्र श्री एस. पी. दत्ता, सचिव मोहयाल सभा आगरा के दुर्घटना होने के बाद गंभीर रूप से घायल होने पर अस्पताल में भर्ती रहने पर शीघ्र ठीक होने की प्रार्थना की गयी।

संरक्षक महोदय ने केन्द्रीय मोहयाल सभा दिल्ली के होने वाले कार्यकारिणी चुनावों के विषय में सभी उपस्थित आजीवन सदस्यों को अवगत कराया तथा सभी तरह से अपना मत डालने की सिफारिश की। वृंदावन व गोवर्धन आश्रम के विषय में भी ताजा स्थिति से अवगत कराया तथा जो भी परिवार वहाँ रहना चाहता है वो पहले अपना कमरा फोन द्वार बुक करवा लें, जिससे वहाँ जाने पर परेशानी न हो।

सभी उपस्थित सदस्यों ने अपने–अपने विचारों से सभा को संबोधित किया। आगरा सभा की श्रीमती सावित्री दत्ता माताश्री संरक्षक महोदय मोहयाल सभा आगरा द्वारा अपने पति स्व. मेजर एम.बी. दत्ता जी की याद में 500 रुपए प्रदान किए। श्रीमती किरन मेहता पत्नी स्व. डॉ. एस.पी. मेहत द्वारा 600 रुपए की धनराशि अपने पति की स्मृति में दिए। श्रीमती कृष्णा मेहता पूज्यनीय माताजी श्री अनिल मेहता (बब्बी भाई) पत्नी स्व. श्री डॉ. बृजमोहन मेहता के शाखा प्रबंधक इंडियन बैंक आगरा पर पदोन्नत होने पर आगरा सभा को 500 रुपए की धनराशि प्रदान की। श्रीमती सुमन दत्ता पत्नी श्री एस.पी. दत्ता सचिव द्वारा अपने ससुर स्व. डॉ. वी.एन. दत्ता जी के जन्मदिन 03.08.2015 पर 100 रुपए की धनराशि प्रदान की। श्री प्रवीण दत्ता जी ने अपने जन्मदिन पर सौ रुपए सभा को प्रदान किए। सभी सदस्यों द्वारा सभी को धन्यवाद दिया।

श्रीमती मधु दत्ता व अन्य महिलाओं द्वारा शांति पाठ तथा गायत्री मंत्र व जय मोहयाल का उद्घोष किया। श्रीमती सावित्री दत्ता को सभी ने बहुत–बहुत धन्यवाद दिया।

एस.पी. दत्ता, *सचिव (मो.) 9897455755*

अबोहर, पंजाब

दिनांक 30.06.2015 सभा की मासिक बैठक मेहता देवन्द्र कुमार भीमवाल जी के उनके गाँव भंगर खेड़ा में चीफ पैट्रन मेहता कृष्ण कुमार भीमवाल जी की अध्यक्षता में हुई। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री वंदना के बाद सभा की कार्यवाही शुरू हुई।

मोहयाल सभा के सभी सदस्यों ने मेहता विनोद कुमार भीमवाल एडवोकेट एवम् श्रीमती गुलशन भीमवाल जी की उनकी सुपुत्री कुमारी काजल एडवोकेट का रिश्ता श्रीमती एवं श्री शशी छिब्बर जी दिल्ली निवासी के सुपुत्र श्री निशांत छिब्बर जी के साथ होने की बहुत–बहुत बधाईयां दीं।

मेहता श्री अमरदीप भीमवाल जी ने अपना पुराना प्रश्न फिर दोहराया कि गाँवों के दूर दराज इलाकों के तथा बार्डर के साथ रहने वाले सेकेंडरी व सीनियर सेंकेंडरी स्कूलों के विद्यार्थियों 80 प्रतिशत अंक लेकर उत्तीर्ण होने की बजाय 75 प्रतिशत अंक लेकर विद्यार्थियों में शामिल होने के लिए 5 प्रतिशत की छूट दी जाए। जन.मो. सभा से अभी तक जवाब क्यों नहीं आया। उनके एक बार फिर सूचित किया जाए।

मैहता विश्वामित्र भीमवाल ने सूचित किया कि जीएमएस से पत्रों द्वारा सूचित किया गया था व फोन द्वारा भी सूचना प्राप्त हुई कि 13.06.2015 में ऑल इण्डिया की लोकल मोहयाल सभा के प्रेजीडेंट व सेक्रेटरियों की मीटिंग में बुलाया गया था किन्तु अबोहर के भीमवाल परिवारों के घरेलू उत्सवों के कारण जा नहीं पाए। मेहता रमेश चन्द्र भीमवाल की चौथी पुण्यतिथि के उपलक्ष में हवन, कीर्तन व ब्राह्मण भोज कराया। 13.06.15 को मेहता देवेन्द्र कुमार भीमवाल व श्रीमती रितू भीमवाल जी के घर भंगर खेड़ा में ही श्रीमती राणी जी का जागरण था तथा अबोहर में 14.06.2015 को मेहता विनोद कुमार भीमवाल एवम् श्रीमती गुलशन भीमवाल के पौत्र मास्टर तेजस भीमवाल का मुण्डन व रात्री भोज था।

सभा के उपरान्त पंजाब विधान सभा के विपक्ष के नेता श्री सुनील जाखड़ जी भीमवाल परिवार से मिलने आए तथा उन्होंने भीमवाल परिवार की सुपुत्री कुमारी काजल भीमवाल का रिश्ता होने पर भीमवाल परिवार को बधाई दी।

अन्त में शांति पाठ के साथ सभा सम्पन्न हुई। चाय–नाश्ता जलपान व दोपहर के भोजन के लिए मेहता देवेन्द्र कुमार भीमवाल एवम् रितू भीमवाल व भीमवाल परिवार की सभी बहुओं व पुत्रियों का धन्यवाद किया।

■ सभा की मासिक बैठक मेहता विश्वामित्र भीमवाल जी की अध्यक्षता में मेहता महावीर भीमवाल जी के म.न. ए–6, फाजिल्का को–ऑपरेटिव शूगर मिल, जिला फाजिल्का (पंजाब) की कालोनी में 07.07.2015 को मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण से आरम्भ हुई।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मो.सभा के सभी सदस्यों ने मेहता श्री महावीर भीमवाल एवं श्रीमती अनीता भीमवाल को उनके द्वारा अपने गाँव सिरदारपुरा जीवन जिला श्रीगंगानगर (राजस्थान) में अपनी कोठी बनवाने का काम शुरू करने तथा उनके छोटे सुपुत्र मेहता अभिनव भीमवाल के पंजाब यूनिवर्सिटी चण्डीगढ़ के लांगरा इंजीनियरिंग कालेज से बी.टेक करने की बहुत–बहुत बधाईयां दी तथा भविष्य में बेटों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मैहता महावीर जी भीमवाल ने बताया कि जबसे मेरे भतीजे मेहता ललित भीमवाल जी का आजीवन सदस्य बना है। मेहता विनोद कुमार भिमवाल सेक्रेटरी एडवोकेट ने जीएमएस की मैनेजिंग कमेटी के चुनाव के बारे में सूचित किया।

अन्त में शांति पाठ के साथ सभा समापन हुई। दोपहर भोजन के लिए मेहता महावीर भीमवाल व श्रीमती अनीता भीमवाल व परिवार के सभी सदस्यों के लिए बहुत–बहुत धन्यवाद दिया।

मेहता विश्वामित्र भीमवाल, *प्रधान*
मो. 9780160085

जगाधरी वर्कशाप

सभा की मासिक बैठक 2 अगस्त 2015 को जंजघर मार्डन कालोनी आई.टी.आई. में सभा के प्रधान श्री सतपाल दत्ता जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें लगभग 15 सदस्यों ने भाग लिया। सभा के सभी सदस्यों ने अपने–अपने विचार रखे।

सभा ने मोहयाल भवन यमुनानगर के साथ एक प्लाट जिसको मोहयाल सभा यमुनानगर ने खरीदा था। अन्य दावेदार ने प्लाट पर अपना हक दिखाते हुए निचली अदालत में केस किया था, जिसका केस खारिज हो गया है, सभा ने इस पर खुशी प्रकट की है तथा सबको बधाई दी है।

शोक समाचारः मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशाप के वरिष्ठ सदस्य श्री के.एल. दत्ता जी जिनका निधन 20.07.2015 को हो गया था सभा ने दो मिनट मौन रख कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए एवम् इव दुःख की घड़ी में सभा दत्ता परिवार से सवेंदना व्यक्त करती है। इस अवसर पर दत्ता परिवार ने 500 रुपए मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशाप को भेंट किए।

शुभ स्वास्थ्यः सभा के वरिष्ठ सदस्य श्री चुनी लाल दत्ता जो काफी दिनों से अस्वस्थ चल रहे है। सभा इनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करती है, सभा की समाप्ती के बाद सभी सदस्यों ने इनके निवास स्थान पर जाकर हाल चाल जाना।

अगले माह की मीटिंग 06.09.2015 को जंज घर मार्डन कालोनी यमुना नगर में होगी।

एस.पी. बाली, *सचिव*
मो.: 9729530102

सूरेन्द्र मेहता, *महासचिव*
मो. 09355310880

प्रेमनगर, देहरादून

सभा की मासिक बैठक 26.07.2015 को सचिव श्री राजेश बाली के निवास पर हुई। बैठक की अध्यक्षता श्री मनमोहन बाली (वरिष्ठ उप–प्रधान) ने की।

मोहयाल प्रार्थना के पश्चात सभा की कार्यवाही आरम्भ की गई। गत माह की कार्यवाही सचिव ने पढ़कर सुनाई तथा श्री जे.एस. दत्ता ने आय–व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया, जिसका सभी ने अनुमोदन किया।

सितम्बर माह में होने वाले जीएमएस चुनाव पर चर्चा हुई तथा विस्तृत जानकारी दी गई। श्रीमती अनीता बाली, पत्नी श्री राजेश बाली ने सुझाव दिया कि सभा की तरफ से वृंदावन के लिए एक तीर्थयात्रा आयोजित की जाए। सभा में पर्याप्त उपस्थिति न होने के कारण, अध्यक्ष महोदय ने अगली बैठक में इस सुझाव पर विचार करने की बात कही। सभा की चार जरूरतमन्द महिलाओं को माह जनवरी 2015 से सहायता राशि प्राप्त नहीं होने की जानकारी प्रधान श्री डी.एन. दत्ता जी को उत्तरोत्तर कार्यवाही हेतु अवगत करा दी गई है।

अन्त में सभा के सभी सदस्यों ने श्रीमती एवं श्री राजेश बाली जी का वृहत जलपान व्यवस्था के लिए धन्यवाद अदा किया।

राजेश बाली, *सचिव (मो.) 9758185583*

डाली

नील सरोवर पर झुक आयी
पत्तों से बोझिल डाली
देख के दर्पण में अपने को
कितनी हर्षित थी डाली।

कुछ पत्ते जो टूट गये थे
तैर रहे थे पानी में
उनको अधरों से छूने को
कितनी उत्सुक थी डाली।

नीम की शीतल छाया में थे
बन्धु मवेशी बैठे जो
देख के लीला डाली की थे
मन्द–मन्द मुस्काते वो।

बादल घिर आये थे नम पर
धूप की चादर ढकने को
वर्षा की मीठी फुहार में
खूब नहायी थी डाली।

मस्त पवन में झूम रही
डाली को देखा चिड़ियों ने
शोर ने कलख के थी जिसमें
मधुर–मधुर मिश्री डाली।

पूरनचंद बाली *'नमन' (मो.) 7045208241*

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com
PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

स्वर्गीय मेहता रमेशचन्द्र भीमवाल का 86वाँ जन्मदिवस

स्व. मेहता रमेशचन्द्र भीमवाल जी के 86वें जन्म दिवस पर दिनांक 14.05.2015 को हरियाणा स्काऊट्स एण्ड गाईडज़ की ओर से गर्वनमेंट सीनियर सेंकेंडरी स्कूल पिंजौर, जिला पंचकूला, हरियाणा में एक भव्य आयोजन किया गया।

इस मौके पर कबिंग जुगनुओं को चन्दा बनाने की पाठशाला नामक पुस्तक का अनावरण किया गया। यह पुस्तक स्व. श्री रमेशचन्द्र

मेहता जी भूतपूर्व हरियाणा स्काऊटस एण्ड गाईडज़ के स्टेट ऑरगेनाईजिंग कमीशनर ने लिखी थी। तथा 14.05.2015 को उनके जन्मदिवस पर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती बिमला मेहता जी ने इस पुस्तक का अनावरण किया। इस अवसर पर हरियाणा स्काऊटस एण्ड गाईडज़ के अधिकारियों ने स्व. मेहता साहब द्वारा किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला तथा उनकी प्रशंसा की।

इस खुशी के मौके पर श्रीमती कश्मीर जी, श्रीमती कमला सिंह जी, श्रीमती ऊर्मिल मेहता जी, श्रीमती निर्मल मोहन जी, मेहता जी की सुपुत्री श्रीमती कानन मेहता वासुदेवन, मेहता विश्वामित्र भिमवाल जी, मेहता विकास भिमवाल, श्रीमती एवं श्री शिवकुमार मेहता जी सहित परिवार के सभी सदस्य उपस्थित थे। समारोह में अधिकारियों ने सबको स्काऊटिंग का स्कार्फ पहनाकर विधिवत स्वागत किया। तथा सभी सदस्यों का भोजन जलपान, चाय आदि का भी प्रबन्ध किया गया था।

गौरतलब है कि स्व. मेहता रमेशचन्द्र भीमवाल जी का जन्म 14.05.1929 को गाँव भंगर खेड़ा, जिला फिरोजपुर (पंजाब) में हुआ। स्व. मैहता नरनारायण भीमवाल जी एवं स्व. श्रीमती लाजवंती जी भीमवाल करियाला जिला जेहलम (प. पाकिस्तान) के सुपुत्र थे।

स्व. मेहता साहब ने अपनी सेवाकाल में श्रीलंका, जापान व अन्य देशों की यात्राएं की। तथा तीन बार भारत के तीन राष्ट्रपतियों द्वारा सम्मानित हुए, जैसे कि स्व. श्री फक्करूद्दीन अहमद अली जी, श्री ज्ञानी जैल सिंह जी एवम् श्री आर वेंकटरमन जी से सम्मानित हुए। इसके अलावा मेहता जी विदेशों व देश में भी अनेक बार सम्मानित हुए।

इस मौके पर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती बिमला मेहता ने जीएमएस के ऐजूकेशन फंड में 500 रु. भेंट किए।*–श्रीमती बिमला मेहता, कोठी नं 829, सेक्टर–16, पंचकूला (हरियाणा), मैहता विश्वामित्र भीमवाल (छोटे भाई), प्रधान एमएस अबोहर (पंजाब)*

श्री प्रेम बक्शी का देहांत

श्री प्रेम बक्शी पुत्र स्वर्गीय श्री ओम प्रकाश बक्शी एवम् स्व. श्रीमती बिमला बक्शी (गुजराँवाला पाकिस्तान) अपने जीवन के 67 वर्ष की आयु पूरी कर परम् पिता परमेश्वर को प्यारे हो गए। प्रेम बक्शी का देहान्त 15 अगस्त 2015 को थोड़ी सी बीमारी के बाद हुआ। प्रेम बक्शी की अन्तेष्टी 18 अगस्त को स्वामी लक्ष्मी नारायण मन्दिर, मालवीय नगर, नई दिल्ली में सह–परिवार व बिरादरी के साथ सम्पन्न हुई।

स्वर्गीय प्रेम बक्शी की पत्नी श्रीमती ज्योति बक्शी, सुपुत्री स्वर्गीय श्री गुरुचरण लाल दत्ता 'जोश' कंजरूड़' (उप प्रधान जीएमएस) एवं स्व. श्रीमती शीला दत्ता ने अपने भाई कौशल दत्ता एवं बहनों के साथ सब रस्म से उनकी विदाई की। श्री प्रेम बक्शी अपने माता–पिता की इकलौती संतान थे। उच्च विचार एवं संस्कारों से परिपूर्ण, प्रेम बक्शी आर्कषित व्यक्तित्व, खुश तबीयत, शौकिन एवं उच्च शिक्षित थे। हर किसी को मदद करने के लिए हमेशा तत्पर रहने वाले प्रेम बक्शी अपनी आखिरी साँस तक निज़ी कम्पनी में उच्च पद पर कार्यरत रहे। सारा जीवन अपनी पत्नी ज्योति बक्शी एवम् परिवार के साथ संस्कारिक रुप से व्यतीत किया। भगवान उनकी आत्मा को शांति दें। उनकी पत्नी श्रीमती ज्योति बक्शी को इतनी हिम्मत दे कि अपने बहन–भाईयों के साथ अच्छा जीवन व्यतीत करें। भाई कौशल दत्ता ने इस दुःख के मौके पर अपने परिवार के साथ जिस तरह बहन का हाथ पकड़ा है, भगवान उसे भी हिम्मत दें, इस जिम्मेदारी को निभाने की। ओम् शांति, शांति, शांति!

दत्ता परिवार (मो.) 9891279997, 9810797567

स्वर्गीय श्रीमती सरला भीमवाल का 69वां जन्मदिवस

स्वर्गीय श्रीमती सरला भीमवाल का 69वां जन्म दिन 31.05.2015 को 1172, सेक्टर–18सी, चंडीगढ़ में श्री सुन्दरकाण्ड का पाठ करके मनाया गया। उनका जन्म 31.05.1946 को जलालपुर जट्टा में हुआ था। स्वर्गीय श्रीमती सरला भीमवाल धर्मपत्नी मेहता विश्वामित्र भीमवाल और स्व. मेहता नरनारायण भीमवाल एवम् श्रीमती लाजवन्ती भीमवाल करियाला, त. चकवाल, जिला जेहलम (पं. पाकिस्तान) की पुत्र वधु थी। एवम् स्व. श्री रामरखामल वैद व स्व. सत्या देवी वैद की सुपुत्री थी जोकि जलालपुर जट्टा, जिला गुजरात (प. पाक.) के थे। इस अवसर पर मेहता विश्वामित्र भीमवाल जी ने 500 रुपए जीएमएस के ऐजूकेशन फण्ड में दान दिए।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

बीसवीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

स्वर्गीय **रायज़ादा अनन्त राम बाली** जी की 20वीं पुण्यतिथि पर दिनांक 21.08.2015 उनकी धर्मपत्नी श्रीमती शकुन्तला बाली निवासी 43 प्रेमनगर, अंबाला शहर ने 250 रुपए मोहयाल सभा अम्बाला शहर व 250 रुपए जीएमएस में स्वर्गीय रायज़ादा अनन्त राम बाली मैमोरियल विधवा फण्ड ट्रस्ट में भेंट किए। श्रद्धांजलि श्रीमती शकुन्तला बाली (पत्नी) श्री राजिन्द्र पाल बाली व कमलेश बाली (सुपुत्र व पुत्रवधू) श्री विरेन्द्रपाल बाली व आशा बाली (सुपुत्र व पुत्रवधू) श्री रुबल बाली व आरती बाली (सुपुत्र व पुत्रवधू), श्री कमल बाली व श्रीमती सुनील बाली (सुपुत्र व पुत्रवधू) व समस्त बाली परिवार के सदस्य। ओम् शांति, शांति!–***पंकज बाली,*** *(मो.) 8950516822*

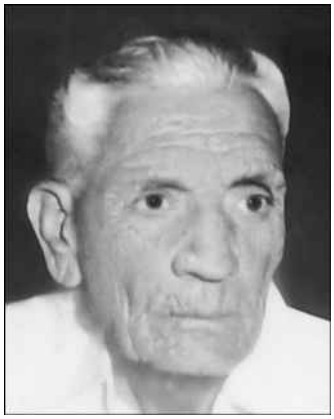

स्वर्गीय श्री रमेशचन्द्र मैहता (भीमवाल) की चौथी पुण्यतिथि (निधन 12-11-2011)

स्वर्गीय मेहता रमेशचन्द्र भीमवाल सुपुत्र स्व. मेहता नरनारायण भीमवाल व स्व. श्रीमती लाजवंती भीमवाल करियाला, जिला जेहलम (प. पाक.) का जन्म मु.पो. भंगर खेड़ा जिला फिरोजपुर (पंजाब) में दिनांक 14.05.1929 को हुआ। स्व. श्री रमेशचन्द्र मेहता जी की चौथी पुण्य तिथि दिनांक 12.06. 2015 को उनके निवास स्थान गाँव भंगर खेड़ा तहसील अबोहर, जिला फाजिल्का (पंजाब) में मनाई गई।

इस अवसर पर समस्त भीमवाल परिवार व मोहयाल बिरादरी व मित्रगण उपस्थित थे। इनकी कोठी पर हवन, कीर्तन किया गया व ब्राह्मण भोज व दक्षिणा आदि दी गई। सभी अतिथीगणों व शेष सभी का जलपान भोजन चाय आदि का भी प्रबन्ध था। श्रीमती बिमला मेहता जी ने जन.मो.स. को इस मौके पर 500 रु. ऐज़ूकेशन फण्ड में भेंट किए।

मैहता विश्वामित्र भीमवाल (छोटे भाई), प्रधान एमएस अबोहर (पंजाब) (मो.) 9780160085

श्री रामप्रकाश मेहता की पहली पुण्य तिथि

पूज्यनीय पिता श्री रामप्रकाश मेहता जी को स्वर्गवास हुए (24 जुलाई 2015) को एक वर्ष हो गया। श्री रामप्रकाश मेहता जी स्व. भाई श्री हाकम राय छिब्बर व श्रीमती वीरा वाली छिब्बर जी के सुपुत्र थे। सेवानिवृत्ति के बाद अधिकाँश समय सामाजिक व धार्मिक कार्यों में लगाया। मंदिर श्री लाल द्वारा, यमुनानगर तथा भाई मतिदास गुरुद्वारा, बूढ़िया से उनका विशेष लगाव रहा। हमेशा से ही सादा जीवन जीने वाले श्री मेहता जी का न केवल अपने बच्चों में बल्कि अपने पोते–पोतियों के लिए भी प्रेरणा स्त्रोत थे। अपने भाइयों तथा बेटों को वे हमेशा भाईजी (करियाला के छिब्बर होने की वजह से) कहके पुकारते थे। वर्ष में शायद ही कोई ऐसा दिन होगा जब परिवार को इनकी याद न आई हो। वर्ष में तीन चार बार वह अपनी धर्मपत्नी (हमारी माताजी) के साथ गंगा स्नान के लिए हरिद्वार जाया करते थे।

परिवार के सदस्य उनकी धर्मपत्नी श्रीमती शीला देवी, भाई सर्वश्री कीमत प्रकाश छिब्बर व सुभाष छिब्बर, सुपुत्र–सर्वश्री नरिंदर छिब्बर, सुरिंदर छिब्बर, देवेन्द्र छिब्बर, सतपाल छिब्बर व वीरेन्द्र छिब्बर, बहुएं– श्रीमती अंजू छिब्बर, मधु छिब्बर, अलका छिब्बर, मीनू छिब्बर व रित्तू छिब्बर, पोते–पवन, सुमिल, गौरव, यश व तुषार तथा पोतियाँ–ऋचा, कंचन व भाविका समेत सभी उनको प्रतिदिन याद करते हैं। परिवार ने इस अवसर पर 1000 रुपए की राशि "रामप्रकाश मेहता (छिब्बर) ट्रस्ट" में भेंट की।–***नरिंदर छिब्बर*** *(मो.) 9416412184*

स्वर्गीय श्रीमती दमयंती दत्ता की प्रथम पुण्य तिथि

हमारी पूजनीय माता जी स्वर्गीय श्रीमती दमयन्ती दत्ता की पहली बरसी उनके निवास स्थान भोजपुर सुन्दर नगर, जिला मण्डी (हि. प्र.) में 13 जुलाई 2015 के उनके परिवार के सदस्यों पुत्र, पुत्रवधुओं, पुत्रियां, दामाद अन्य सदस्यों ने हवन, शांति पाठ तथा दोपहर में प्रीति भोज हुआ।

श्रीमती दमयन्ती दत्ता का जन्म 5 मई 1923 को रावलपिंडी अब (पाक.) में हुआ था उनके पिता जी स्व. सोहनलाल बाली (गुड़गाँव) वे भी शिक्षा विभाग में अधिकारी थे। श्रीमती दमयंती दत्ता स्व. डॉ. वैजनाथ दत्ता की धर्मपत्नी तथा कर्मचन्द दत्ता मण्डी भाऊदीन अब (पाक.) की पुत्रवधु थी। माताजी कट्टर आर्य समाजी थी, स्वामी दयानन्द जी पर अटूट विश्वास था। अपनी मेहनत व परिश्रम के द्वारा उन्होंने अपने परिवार को उस मुकाम पर पहुँचाया जहां एक साधारण व्यक्ति के लिए संम्भव नहीं था। 35 वर्ष की युवास्था में ही विधवा हो गई। 5 बच्चों का पालन–पोषण अच्छी शिक्षा देना, बच्चों की पढ़ाई के साथ–साथ खुद दसवीं की परिक्षा व प्रभाकर की परिक्षा में पास की और हिमाचल सरकार में ग्राम सेविका के पद पर नियुक्ति हुई। और 1978 में एल.एस.ई.ओ. के पद से सेवा मुक्त हुई।

स्व. दमयन्ती जी का जीवन बड़ा संघर्षमय रहा। इनके दो पुत्र

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

सतीश दत्ता और सुधीर दत्ता दोनों रिटा. इंजिनियर हैं तीन बेटियां आशा छिब्बर पत्नी बृजभूषण छिब्बर रानी बाग (दिल्ली) सेंटर स्कूल दिल्ली से रिटायर्ड और दूसरी बेटी उषा छिब्बर पत्नी सुभाष छिब्बर हि.प्र. शिक्षा विभा से टी.जी.टी रिट. यमुनापार दिल्ली में है। तीसरी बेटी सुषमा हि.प्र. स्वास्थ्य विभाग पालमपुर में स्त्री रोग विशेषज्ञ है उनका स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़ा नाम है। उनके पति डा. गंभीर सूद भी रिटायर्ड सी.एम.ओ. है। माता जी, निडर, दृढ़ संकल्प वाली समाज सेविका, दान पूण्य में विश्वास रखने वाली धार्मिक विचारों वाली थी। वे कई समाज सेवा समितियों से जुड़ी हुई थी। मोहयाल मित्र की आजीवन सदस्य और शिक्षा फण्ड व विधवा फंड में दान देती रहती थी। उन्होंने मोहयाल आश्रम हरिद्वार में अपने पति स्व. डॉ. वैजनाथ दत्ता के नाम पर कमरा बनवाया। पंतजलि योग संस्थान हरिद्वार, नारायण सेवा समिति उदयपुर राजस्थान की भी वे सदस्य थी। नियमित रूप से पोलियो के बच्चों के आंखों के आपरेशन अस्पताल, वेलफेयर सोसाइटी की नियमत सदस्य, आर्य समाज की सदस्य होने के कारण नियमित रूप से अपनी सहयोग राशि भेजती रहती थी।

माताजी की पथ प्रदर्शन, प्रेरणा, आदर्श हमेशा याद रहेंगे कभी नहीं भुलाये जा सकते। भगवान से प्रार्थना है कि हम उनके आदर्शों सिद्धातों को हमेशा उनके जीवन से प्रेरणा लेते रहेंगे। उनकी प्रथम पुण्यतिथ पर परिवार ने 5000 रु. जीएमएस को भेज रही हूँ। श्री सतीश कुमार दत्ता (पुत्र) 4000 रुपए लंगर फण्ड में और सुधीर दत्ता (पुत्र) 1000 रुपए विधवा फण्ड के लिए भेजें हैं।

कुछ भूली बिसरी यादें जो सिर्फ यादें रह गई

मैं यह सब यादें अपने माता–पिता की स्मृति में लिख रही हूँ। पिता चौ. गुरूचरण लाल दत्ता 'जोश कंजरुडवी' और माता श्रीमती शीला दत्ता। आज जब मन के विचार लिख रही हूँ मन में बार–बार यह प्रश्न आता है कि समय ऐसा भी आता है, जब वो सब बातें जो हम अपने माता–पिता के पास बैठकर करते हैं, उनके न होने पर मन कहता है, अब बोल नहीं, लिख, अब तक परिवार वाले सब जानते थे, अब अपने भाई–बहन मित्र भी जाने। मन बेचैन उनकी याद में पागल हो जाता है कहता है, क्या करूँ, क्या लिखूँ कहाँ से वो सब लाऊँ कि वो एक बार मिले, एक बार दिखें। अपने माता–पिता के लिए उनकी याद में जो हम लिखते हैं, उसके लिए किसी किताब या पढ़ाई की जरूरत नहीं। सच यह है कि जिस दिन से माता–पिता को खोया है, मन में हमेशा पेरशानी रहती है कि क्या करूँ कि उनका नाम स्वर्ण अक्षरों में नजर आता रहें।

आज जो भी हूँ उनकी वजह से हूँ। कितना लिखूँ शायद अलफाज कम ही पड़ेगें। परन्तु जो लिख रही हूँ, वो एक बेटी होने के नाते लिख रही हूँ। जिसने उंगली पकड़कर चलने से लेकर समय के साथ मुकाबला करने तक सब कुछ सिखाया है। यह सच है, वरना आज जो लिखने की क्षमता है वो कैसे होती। माता से सहनशीलता, सादगी, सुविचार, संस्कार, प्यार, लग्न व कार्य कुशलता सीखी, परन्तु पिता से मेहनत, साहस, निपुणता और सबसे महत्वपूर्ण समाज व समय को पहचानने व उसका मुकाबला करना सीखा।

एक छोटी सी घटना अपने जीवन की लिखूँगी। पढ़ाई के लिए पापाजी ने जो मेहनत हमारे साथ की है वो आज एक कलम लिख रही है। मैं पाँचवी कक्षा में छात्रवृत्ति के परिक्षा की तैयारी कर रही थी। उस समय छात्रवृत्ति के लिए स्कूल की तरफ से पेपर देने के लिए किसी दूसरे स्कूल में जाना पड़ता था। मुकाबला भी सख्त तो होता था, साथ में अध्यापक मदद ज्यादा नहीं करवाते थे। न ही कोई कोचिंग ही ज्यादा होती थी। मैंने सारी तैयारी पेपर देने की कर ली थी। परन्तु अचानक दुर्भाग्यवश मुझे टाइफाइड बुखार हो गया। स्कूल ने मुझे सब बच्चों के साथ पेपर देने से मना कर दिया। मुझे इतना याद है कि मेरे पापा जी ने दो दिन के अन्दर पेपर शुरू होने के पहले ऐसी भाग दौड़ सरकारी कार्यालयों तक की ताकि मुझे पेपर देने की अनुमति मिल जाये और वो मिल गई। सारे स्कूल में चर्चा हो गई कि जो काम कोई कभी कर न सका वो मेरे पापाजी ने करके यह सन्देश दिया कि लड़की हो या लड़का शिक्षा का महत्व कितना है।

जिस माता–पिता ने ऐसा पालन–पोषण किया हो, उसे में किन शब्दों लिखूं, मुझे छात्रवृत्ति मिली और हमारी स्कूल की कार्यवाही में भी पढ़ा गया। वार्षिक उत्सव जो कि स्कूल हर वर्ष मनाता था, उसमें भी इनाम दिया गया। यह सब लिख पाना भी हर व्यक्ति के लिए संभव नहीं, क्योंकि वह कला भी माता–पिता से मिलती है। मेरे पापा जी ने मेरी छोटी बहिन स्वर्गीय ऊमा मेहता को हमेशा लिखने के लिए तत्पर किया वो मोहयाल मित्र की कई वर्षों तक हिंदी संपादक रही। बैठे–बैठे सोच कर किसी भी विषय पर कुछ भी लिख डालना उनके लिए बायें हाथ का खेल था। हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू हो या कविता या शायरी हो जैसे हर चीज उनके मुँह और जुबान पर थी। लिखते–लिखते भी मन बार–बार कह रहा है, कहाँ चले गए, कहाँ चले गए, अब न मिलेंगे, बस यादों में है या मन के पन्नों पर जिसे लिखना भी हमने है और पढ़ना भी हमने है। लेकिन आशीर्वाद का हाथ हमेशा सर पर है। जिन्दगी वो किताब है जिसका हर पन्ना समय के साथ–साथ पलटता है और अपनी अहमियत का अहसास करवाता है।

प्रभा मेहता, *डी–20, सनसिटी, सेक्टर–54, गुड़गाँव*
(मो.) 9810797567

मोहयाल मित्र में रचनाएँ भेजने के पश्चात् प्रकाशन के लिए दो माह तक प्रतिक्षा करें। इसके पश्चात् ही कार्यालय से संपर्क करें। कृपया समस्त रचनाएँ-रिपोर्ट साफ-साफ लिखें जिन्हें पढ़ा जा सके। पोस्ट कार्ड या छोटे-छोटे कागज के टुकड़ों पर लिखकर रचनाएँ न भेजें। ई-मेल से भेजी रचनाएँ और रिपोर्ट साफ-साफ लिख कर भेजें। नहीं तो छप नहीं पाएगी।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

।। मोहयाल प्रार्थना ।।

ऊँ स्वस्ति। ऊँ परम पिता परमात्मा को हमारा प्रेमपूर्वक नमस्कार। ऊँ स्वस्ति। सभी सुखी हों। सब का कल्याण हो। सबका आपस में प्रेम हो। सब मिलकर अपने समाज की भलाई का विचार करें। सब उसी में अपना भला समझें जिसमें सबका भला हो, हित हो, लाभ हो। मन, वचन और कर्म से कोई दूसरे की हानि न करे। हम एक दूसरे के प्रति प्रेम भाव रखों। दूसरों की बातों को धैर्य और शांतिपूर्वक सुनें। अपनी बातें मधुर शब्दों में कहें। हम निःस्वार्थ भाव से अपने समाज की भलाई के लिए कार्य करें।

जय मोहयाल

बेटी की माँ को श्रद्धांजलि

हमारी पूज्यनीय माँ श्रीमती बिमला बाली जी का जन्म 31 जुलाई 1921 में हुआ और 14 जनवरी 2009 में वह इस संसार से हम सबको छोड़कर चली गई। बिमला बाली जी चौः हरनाम दास दत्त जी की सुपुत्री और श्री दिवानचंद बाली जी की धर्मपत्नी थी। अपने जीवन में जो वह कर गई, लगता है कम से कम 2–3 पीढ़ियों तक याद किया जायेगा। अपनी युवा अवस्था में, बच्चों को पालपोष कर बड़ा करना सभी माँ बाप करते हैं, मगर उसके साथ–साथ जो उन्होंने दूसरों की देखभाल, उपकार और उन्हें अच्छे मार्ग पर लाने का कार्य किया, वह बहुत ही प्रशंसनीय है और सभी के मन में उनकी याद को बनाए रखेगा।

अपने सब बच्चों को अच्छी शिक्षा देकर उनको सैटल करके, उसके साथ–साथ अपने घर बगीचे में एक मंदिर चलाया, अपने आस–पास के एक–एक घर जाकर, युवा, अधेड़ या उससे भी अधिक आयु की औरतों के मन में ईश्वर प्रेम डाला, वही मंदिर में, न केवल भजन किर्तन होता, बल्कि हर एक कोई उनमें विश्वास रखकर अपनी मुश्किलों का हल ढूँढता, और सबको प्यार से, स्वयं के जीवन के ज्ञान से उन्हें शिक्षा दी, सबको अपना समझ कर उनकी हर प्रकार से सहायता की।

31 जुलाई को हमने उनका जन्मदिन मनाया, उनकी सभी शिक्षायों को याद किया, इसमें उनके सभी भाई–बहिन, बच्चे, पोते, पोतियां शामिल हुए और प्रण लिया कि उनके बताए रास्तों पर चलने का उनके मंदिर में बैठकर उनकी रिकार्ड की हुई भजनों की सीडी लगा कर सुनी, और ऐसा लगा जैसे वह हम सबके बीच बैठी हमें अपनी मधुर आवाज़ में प्रभु लीला सुना रही हैं। हम सबने मन ही मन कसम ली, हम सब का यही यत्न रहेगा कि उनके बताए रास्ते पर चलगें।

हमारी उस प्यारी माँ को, जिन्हें सभी अपनी प्यारी माँ समझते हैं, कोटी कोटी प्रणाम!

*उनकी प्यारी बेटी–**विजयलक्ष्मी** और सारा परिवार उनके भाई–बहिन!*

MOHYAL ASHRAMS
HARIDWAR & VRINDAVAN

1. **Rooms can be booked on line, one month in advance. Haridwar web site: www.mohyalashramharidwar.in Vrindavan web site: www.mohyalashram.co.in**
2. **Bookings can also be done on telephone and at the counter.**
3. **Rooms can be booked on twin sharing basis for a maximum of 3 days. Checkout time is 12 noon.**
4. **Booking Amount is Rs.300/ per room. The amount will be forfeited if booking is not cancelled at least 48 hrs before booking date. The deposit can be refunded or kept in suspense for two months for future booking if cancellation is done 48 hrs in advance.**
5. **Bulk booking (more than 3 rooms) can be done only after prior approval of GMS.**
6. **Consumption of tobacco, liquor and non-vegetarian food in the premises of the Ashram is strictly prohibited.**
7. **Persons in inebriated condition will be denied entry to the Ashram.**
8. **There is no room service—meals have to be taken in the dinning hall.**
9. **Pets are not allowed in the premises of the Ashram.**
10. **Guests are requested to bring alongwith them their photo identity --same is required for each occupant of a room.**
11. **Guests are requested not to keep the mortal remains (Asthis) of their near and dear ones in their rooms in the Ashram. In order to avoid inconvenience to Guests coming from long distances, four lockers have been installed at Mohyal Ashram Haridwar.**
12. **On line booking facility for rooms in Sewa Sadan, Haridwar is not available.**
13. **In case of any inconvenience Guests are requested to speak to the Manager of the Ashram / GMS.**
14. **Guests are requested to fill the feedback form before their departure.**

STOP PRESS

Smt Satya Dutt wife of late Shri Mulak Raj Dutt, and daughter of late Rzd Tek Chand Bali & Smt Leelawanti Bali of Guliyana, expired at Chicago on 14 Sept 2015 after prolonged illness. She was mother of Shri Kamal Dutt and sister of Shri B.D. Bali, President GMS. She was a life member of GMS, a regular donor, besides contributing for rooms at our Ashrams at Haridwar and Vrindavan. We pray to God Almighty to give strength to the family to bear with this great loss and to grant peace to the noble departed soul.

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com
PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor